हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस - 2017 का आयोजन

हिमालयन वन अनुसन्धान संस्थान, शिमला द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस - 2017 बड़े ही उल्लास एवं उत्साह के साथ पश्चिमी हिमालयन सम-शितोषण तरु वाटिका', पॉटर-हिल, शिमला में डब्ल्यू-डब्ल्यू ऍफ़., शिमला के सहयोग से मनाया गया । पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए प्रकृति सैर तथा पर्यावरण के लिए दौड़ का आयोजन भी किया गया, जिसे श्री संजीवा पाण्डेय, भारतीय वन सेवा, प्रबंधक निदेशक, हिमाचल प्रदेश अल्पसंख्यक वित्त तथा विकास निगम द्वारा हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया।



इसके अतिरिक्त चित्रकला (on the spot painting), एवं लघु-नाटिका (skit) प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । इस अवसर पर उपस्थित जन समूह को संबोधित करते हुए श्री पाण्डेय ने कहा कि विश्व पर्यावरण दिवस संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रकृति को समर्पित दुनियाभर में मनाया जाने वाला सबसे बड़ा उत्सव है । पर्यावरण और जीवन का अटूट संबंध है परन्तु फिर भी हमें अलग से यह दिवस मनाकर पर्यावरण के संरक्षण, संवर्धन और विकास का संकल्प लेने की आवश्यकता है। विश्व पर्यावरण दिवस का वर्ष 2017 के लिए थीम, "आम जनता/ लोगों को प्रकृति से जोड़ना" निर्धारित किया गया है । पिछले कुछ वर्षों में आम जनता में पर्यावरण के प्रति चेतना बढ़ी है। विकल्पों पर गम्भीर चिन्तन हुआ है तथा कहा जाने लगा है कि पर्यावरण को बिना हानि पहुँचाए टिकाऊ विकास सम्भव है। वास्तव में समाज तथा व्यवस्था की अनदेखी और पर्यावरण के प्रति असम्मान की भावना ने ही संसाधनों तथा पर्यावरण को सर्वाधिक हानि पहुँचाई है। उसके पीछे पर्यावरण लागत तथा सामाजिक पक्ष की चेतना के अभाव की भी भूमिका है। इन पक्षों को ध्यान में रख कर ही

विश्व पर्यावरण दिवस पूरे विश्व के साथ-साथ भारत में भी मनाया जाता है। इस अवसर पर शिमला के आस-पास के क्षेत्रों से आये विभिन्ने स्कूलों के छात्रों ने लघु-नाटिकाओं के माध्यम से बहुत अच्छी-अच्छी प्रस्तुतियां देते हुए अत्यंत प्रभावी ढंग से पर्यावरण सरंक्षण का संदेश दिया । पूर्व भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी, जाने-माने रंगकर्मी तथा शिमला शहर के प्रबुद्ध नागरिक, श्री श्रीनिवास जोशी ने छात्रों को संबोधित करते हुए थल, जल एवं नभ के सरंक्षण पर बल दिया । श्रीमती अनीता पाण्डेय, भूतपूर्व शिक्षिका तथा रंग-मंच कलाकार छात्र कलाकारों की भूरी-भूरी प्रशंसा की और इनकी प्रतिभा निखारने हेतु विशेष अवसर प्रदान करने की बात कही । श्री श्रीनिवास जोशी तथा श्रीमती अनीता पाण्डे, ने निर्णायक की भूमिका भी निभाई।





पर्यावरण के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ने के उद्देश्य से गत तीन सप्ताह के दौरान संस्थान द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें फोटोग्राफी तथा नारा लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया । फोटोग्राफी तथा नारा लेखन प्रतियोगिताओं में प्राप्त प्रविष्टियों में से पांच उत्कृष्ट प्रविष्टियों को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता हेतु वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून में 5 जून 2017 राष्ट्रीय स्तर पर देहरादून को भेजा गया । इस संस्थान श्री पंकज कुमार द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर नारा लेखन में पुरस्कार प्राप्त किया गया ।

पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के लिए दौड़ में छात्राओं के वर्ग में राजकीय विरष्ठ माध्यमिक पाठशाला, टूटी-कंडी, शिमला की छात्रा कुमारी दीपिकाशीखा, राजकीय विरष्ठ माध्यमिक पाठशाला, घनाहट्टी, शिमला ने द्वितीय तथा कुमारी भूमी, राजकीय विरष्ठ माध्यमिक पाठशाला, कृष्णा-नगर, शिमला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । छात्रों के वर्ग में श्री गौरव, राजकीय विरष्ठ माध्यमिक पाठशाला, घनाहट्टी, शिमला ने प्रथम, श्री शंकर, राजकीय विरष्ठ माध्यमिक पाठशाला, बालूगंज, शिमला ने द्वितीय तथा श्री पर्सा मुन्डा, राजकीय विरष्ठ माध्यमिक पाठशाला, टूटी-कंडी, शिमला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । महिला (विरष्ठ) वर्ग में हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला की कुमारी नेहा ठाकुर प्रथम, कुमारी वर्षा ने द्वितीय तथा कुमार नेहा चौहान ने तृतीय स्था प्राप्त किया। पुरुष (विरष्ठ) वर्ग में हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला के अजय कटोच ने प्रथम, श्री विपिन कुमार ने द्वितीय तथा श्री कुल्देश कुमार ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

स्कूली छात्रों के लिए आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, घनाहट्टी, शिमला की छात्र कुमार ईशा ठाकुर ने प्रथम, कुमारी किरण, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, टूटीकंडी, शिमला ने द्वितीय तथा श्री लखन, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, बाल्गंज, शिमला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया । पर्यावरण सरंक्षण पर आधारित लघु-नाटिका में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, घनाहट्टी, शिमला ने प्रथम, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, घनाहट्टी, शिमला ने प्रथम, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, टूटू, शिमला ने द्वितीय तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला, टूटीकंडी, शिमला ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।









समापन समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. जी. एस. गोराया, प्रधान मुख्य अरण्यपाल (वन्य-जीव), हिमाचल प्रदेश ने अपने विचार प्रकट करते हुए कहा कि आधुनिक युग में वायु, जल, मिट्टी, तापीय, औद्योगिक, समुद्रीय, प्रदुषण जलवायु परिवर्तन तथा ग्लोबल वार्मिंग के खतरे की दस्तक दे रहे हैं।



उन्होंने आगे बताया कि जीवन को बेहतर और अधिक प्राकृतिक बनाने के लिए पूरे विश्वभर में पर्यावरण में कुछ सकारात्मक बदलाव लाने के लिए विश्व पर्यावरण दिवस मानाने की शुरुआत की गई। आजकल, पर्यावरण का मुद्दा बहुत बड़ा मुद्दा है, जिसके बारे में सभी को जागरुक होना चाहिए और इस परेशानी का सामना करने के लिए अपने सकारात्मक प्रयासों को करना चाहिए। प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग से युक्त वातावरण में सकारात्मक बदलावों को लाने के लिए विद्यार्थियों के रुप में किसी भी देश के युवा सबसे बड़ी उम्मीद है। किसी भी देश की दशा और दिशा बदलने में युवाओं

का बहुत पड़ा योगदान होता है। सरकार द्वारा चलाई जाने वाली अधिकतर योजनाओं में युवाओं को विशेष रूप से जोड़ा जाता है तािक उन योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुँच सके। विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम भारत में विशेषरूप से, स्कूलों और कॉलेजों में विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से मनाया जाता है। विद्यार्थियों के मध्य जागरुकता पैदा करने के लिए कुछ प्रभावी कार्यक्रमों के आयोजन किया जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों से आव्हान किया कि आम लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने में अपना भरपूर सहयोग प्रदान करें। मुख्य अतिथि महोदय ने इस आयोजन में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों विशेषकर विद्यार्थियों कर धन्यवाद किया तथा विजेताओं को पुरुस्कार देकर समान्नित भी किया।

संस्थान के वैज्ञानिक, डॉ. वनीत जिष्टू द्वारा संस्थान द्वारा पॉटर हिल, शिमला में विकसित की जा रही पश्चिमी हिमालयी सम-शीतोषण तरु वाटिका के बारे में विस्तृत जानकारी दी । उन्होंने पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में वृक्षों की अहम् भूमिका के बारे में छात्रों को अवगत करवाया ।



कार्यक्रम के अंत में डॉ. कुलराज सिंह कप्र, समूह समन्यवयक अनुसन्धान ने मुख्य अतिथि, विभिन्न स्कूलों से आये छात्रों के इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़ कर भाग लेने के लिए तथा उनके साथ आये अध्यापकों व अध्यापिकाओं का धन्यवाद किया तथा आहवाहन किया पर्यावरण सरक्न्शन के बारे में अपने सहपाठियों के साथ-साथ आम जनता को भी जागरूक करें।

कार्यक्रम की झलकियाँ













मुख्य अतिथि द्वारा पारितोषिक वितरण













